खबर संक्षेप

सर्पदंश से बचाव के लिए सीएमएचओ ने जारी की एडवायजरी

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि वर्षाकाल में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। सर्पदंश से बचाव हेतु घबराने की जगह बिना समय खोए निकटमत स्वास्थ्य केन्द्र में पहुचकर उपचार कराने की जरूरत होती है। उन्होंने एडवायजरी जारी करते हुए जन सामान्य को सलाह दी है कि वे वर्षा ऋतु में विशेष सतर्कता बरतें। खेतों में कार्य करते समय जूते पहनें, गहरे रंग के कपड़े पहनें और हाथों में दस्ताने लगाएं। झाडियों, पुआल के ढेर, लकड़ी के ग_र आदि स्थानों में काम करने से पहले वहां डंडे या लाठी से हल्का प्रहार करें। अंधेरे में टॉर्च का उपयोग करें और बच्चों को बिना देखरेख खुले स्थानों पर न भेजें। घर के आसपास साफ-सफाई रखें, झाडियाँ काटें और कूड़ा-कचरा हटाएं। घरों की दीवारों में मौजूद दरारें बंद करें और खुले में सोने से परहेज करें। यदि किसी को सर्प ने डस लिया हो तो घबराएं नहीं, शरीर को शांत रखें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुँचें। घाव को चाकू से काटना, चूसना या उस पर कोई रसायन लगाना अत्यंत हानिकारक है। झाड़-फूंक, टोना-टोटका या तांत्रिक क्रियाओं में समय नहीं गवाएं। यह समय जीवन रक्षक हो सकता है, इसलिए हर क्षण अमूल्य है। सर्पदंश ग्रसित व्यक्ति को यथाशीघ्र अस्पताल ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग, लंबाई या कोई चित्र याद रखें लेकिन उसे मारने या पकडने का प्रयास न करें, इससे और खतरा हो सकता है। कई बार सांप विषैला नहीं भी होता है, पर उपचार में देर जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे सर्प-दंश से संबंधित इस आपदा को गंभीरता से लें। शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंध तभी प्रभावी होंगे जब नागरिक स्वयं भी सावधानी बरतेंगे, समय पर उपचार लेंगे और जागरूकता फैलाने में सहयोग करेंगे। संयुक्त प्रयासों से ही सर्पदंश से होने वाली जनहानि को नियंत्रित किया जा सकता है।

बैगा हितग्राहियों के प्रधानमंत्री आवास प्राथमिकता से स्वीकृत कराएंः कलेक्टर

शहडोल। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पात्र बैगा हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए जाते हैं। योजना का संचालन विगत 02 वर्षों से किया जा रहा है। ऐसे बैगा जनजाति के पात्र हितग्राही जिनके पास स्वयं का आवास नहीं है, और अभी तक आवास स्वीकृत नहीं किए गए हैं, वे हितग्राही संबंधित ग्राम पंचायतों में अपना आवेदन करें। इसके साथ ही इसकी सूचना ब्यौहारी जनपद पंचायत में राहुल द्विवेदी मो.नं. 9893037391, बुढ़ार जनपद पंचायत में श्री दीपक पटेल मो. नं. 9893206948, गोहपारू जनपद पंचायत में किरण प्रसाद मो. नं. 7987745010, जयसिंहनगर जनपद पंचायत में राघवेन्द्र सिंह मो. नं. 8120432519 तथा सोहागपुर जनपद पंचायत में कैलाश सिंह बघेल मो. नं. 8226915364 पर दे सकते हैं। आपने बताया कि जिन बैगा हितग्राहियों के पास पूर्व से स्वयं का पक्का आवास है अथवा ऐसे हितग्राही जो शासकीय सेवा में हैं पीएम जनमन आवास की पात्रता की श्रेणी में नहीं आएगें। ,बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, श्रीमती ज्योति परस्ते, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास अखिलेश मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल का भ्रमण कार्यक्रम

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल 26 जून को रात्रि 10:10 बजे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन भोपाल से अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। 27 जून को प्रातः 10:30 बजे अनूपपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे एवं सर्किट हाऊस अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। अपरान्ह 3 बजे अनूपपुर से भटिया (खोडरी) जैतपुर, जिला शहडोल के लिए प्रस्थान करेंगे। अपरान्ह 3:30 बजे सरस्वती शिशु मंदिर भटिया (खोडरी) जैतपुर पहुंचेंगे एवं नवनिर्मित भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। अपरान्ह 4:30 बजे भटिया (खोडरी) जैतपुर से बिजुरी के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 6 बजे बिजुरी पहुंचेंगे एवं हनुमान मंदिर चौक में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। शाम 6:30 बजे निज निवास बिजुरी पहुंचेंगे।

हाईवे में जांच के नाम पर जिम्मेदारों की वसूली

कप्तान की तबादला एक्सप्रेस से परे हैं डीएसपी के खास

हाईवे पर जांच के नाम पर वाहनों से वसूली की एवज में वर्षो पूर्व टोकन दिये जाते थे, समय बदला और डिजिटल क्रांति आई और अब टोकन की जगह मोबाइल के कोड ने ले ली है, हाईवे पर जांच के नाम पर जिम्मेदार पुराने वसूलीबाजों के साथ वर्दी की साख को धूमिल करते हुए फिर नजर आने लगे हैं।

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 के साथ ही अमरकंटक रीवा मार्ग पर भी यातायात विभाग के जिम्मेदार खुद जांच के नाम पर डटे नजर आते हैं, पूर्व के वर्षो में मासिक इंट्री के वसूली के नाम पर टोकन दिये जाते थे, कुछ वर्षो से टोकन तो बंद हो गये, लेकिन वसूली आज भी बदस्तूर जारी है। स्थायी गुजरने वाले वाहनों की सूची हर माह अपडेट हो रही है, वहीं जांच के नाम पर इस सूची में हर दिन दो से चार नाम भी जोड़े जा रहे हैं। आरोप हैं कि डीएसपी यातायात अपने खास आरक्षक संजय और अन्य के साथ हाईवे पर वसूली का खेल खुलकर खेल रहे हैं।

साहब एसी में, आरक्षक वसूली में

बुढ़ार मार्ग पर स्थित टोल के दोनों तरफ 300 मीटर की दूरी में साहब का वाहन हर दिन जांच करते हुए नजर आता है, खासकर शाम को कभी इस तरफ, कभी उस तरफ डीएसपी मुकेश दीक्षित की गाड़ी जांच करती हुई नजर आ ही जाती है, सरकारी गाड़ी में साहब एसी को बंद कराना कभी नहीं भूलते, वहीं संजय और अन्य आरक्षक पहले दस्तावेज जांचते हैं और फिर संजय उन्हें डील करता है। नंबर सूची में नहीं है तो, मालिक से बात होती है, फिर फीलगुड हो जाता है, ऐसा नही है कि कोरम पूरा नहीं किया जाता। बाहर से आने वाले ऐसे वाहन जो चार से छः महीनें में एक बार ही गुजरते हैं, उनसे सीधे मासिक वसूली की जगह चालान काटकर राजस्व को भी बढ़ाया जाता है। इस तरह की चर्चाएं वाहन मालिकों के बीच अब आम हो चुकी है, जिसकी जांच की अपेक्षा की गई है।

ओव्हर लोड से पहले ही लोड

यह भी बताया जा रहा है कि रेत, राखड़, पत्थर और छत्तीसगढ़ से आने वाले सीमेंट और लोहे से लदे वाहन जो ओव्हर लोड की श्रेणी में आते है, लगभग 90 प्रतिशत वाहन पहले से ही सूची मे लोड हैं। इस क्रम में क्षेत्र में रेत और अवैध गिट्टी, पत्थर लेकर दौडने वाले वाहन तो विशेष सूची में रखे गये हैं, यह भी बताया गया कि साहब जांच और कार्यवाही के मामले में काफी संजीदा हैं। इसी कारण उन्होंने रोड की जिम्मेदारी किसी और को न देकर अपने विश्वासपात्र संजय के साथ खुद सम्हाल रखी है और तो और साहब की इतनी कृपा है कि कप्तान के तबादले एक्सप्रेस की भी आंच संजय के पास तक नहीं आने दी गई।

चौपट हुई शहर की यातायात व्यवस्था

संभागीय मुख्यालय के अंदर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है, मुख्य सडक़ के किनारे दोनों ओर चाट, डोसा, चायनीज, लस्सी, कुल्फी के ठेले लग रहे हैं। शाम होते ही इन ठेलों के सामने वाहन खड़े होने लगते हैं। इसी तरह से गांधी चौक से वन विभाग तक सब्जी वालों ने आधी सडक़ पर कब्जा कर रखा है, इसके आगे व्यापारियों ने भी कब्जा जमाया हुआ है, इसके कारण यातायात प्रभावित होता है, चौपाटी के पास शाम होते ही अव्यस्थित ढंग से वाहन खड़े किये जाते हैं, जिससे आये दिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के मुख्य मार्ग बहुत संकरे हो चुके हैं।

कार से नशीली कफ सिरफ परिवहन करते आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत 25 जून को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दीपक उर्फ विवेक सोनी निवासी ग्राम मऊ थाना ब्यौहारी द्वारा नशीली कफ सीरफ भारी मात्रा में अपनी वैगनार कार से अवैध रूप से नशीली कफ सिरफ रख कर रात्रि में ग्राम मऊ की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर थाने से 02 टीम गठित कर कार्यवाही करने के लिए रवाना किया गया। दोनों टीमों द्वारा मऊ जेल के पास पहुंच कर नाकाबंदी की गई। थोडी देर बाद अर्ध रात्रि में आरोपी दीपक उर्फ विवेक सोनी निवासी ग्राम मऊ अपनी उक्त कार से आता हुआ दिखा, जिसे घेराबंदी कर पुलिस द्वारा रोका गया तथा एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुए कार की तलाशी ली गई, आरोपी के कब्जे 56 शीशी नशीली आनरेक्स कफ सिरफ 16,800 मिली, जिसे गवाहो के समक्ष जप्त किया गया। घटना में प्रयुक्त कार को भी जप्त किया गया। आरोपी उक्त के विरूद्ध अपराध धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डीन पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय विशेष न्यायालय शहडोल पेश किया गया। जिसे माननीय न्यायालय के आदेश से जेल भेज दिया गया।

उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा एस.डी.ओ.पी. ब्यौहारी के दिशा निर्देशन मे ब्यौहारी पुलिस द्वारा की गई है । कार्यवाही मे थाना प्रभारी अरूण कुमार पाण्डेय एवं उपनिरीक्षक मोहन पड़वार, सहायक उपनिरीक्षक गया प्रसाद, प्रधान आरक्षक नारेन्द्र उपाध्या, धुर्वेन्द्र सिंह , पंजाब सिंह, अमर सिंह, धनजी यादव , रावीज सिंह, महिला आरक्षक अंजली लोधी की भूमिका रही है ।

सद्भाव एवं भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की जिला स्तरीय शान्ति समिति की अपील

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के लिए निर्धारित रूट को व्यवस्थित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल। जिला स्तरीय शान्ति समिति की बैठक कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में विराट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में आगामी त्यौहार आपसी सद्भाव एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील शान्ति समिति के सदस्यों ने जिले वासियों से की है। बैठक में 27 जून 2025 को आयोजित की जाने वाली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा तथा 06 जुलाई को मोहर्रम पर्व की तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि 27 जून को जिला मुख्यालय में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जानी है, रथ यात्रा का मार्ग निर्धारित है। जिन मार्गों से रथ यात्रा निकलेगी उन मार्गों का टीआई कोतवाली विद्युत विभाग तथा नगरपालिका के अधिकारियों की संयुक्त टीम भ्रमण कर जहां-जहां मार्ग में गढ्ढे भरने तथा बिजली के तारों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, वे सभी कार्य पूरे करा लिए जाए। रथ यात्रा 27 जून को मध्यान्ह 02 बजे मोहनराम मंदिर श्री प्रारंभ होगी तथा निर्धारित रूट में भ्रमण करते हुए रात्रि 8 बजे तक पूरी कर पंचायती मंदिर में पहुंचेगी। जहां भगवान जगन्नाथ विश्राम करेंगे। 29 जुलाई को पंचायती मंदिर से रथ यात्रा मोहनराम मंदिर के लिए वापस होगी।

आगामी 06 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाएगा। 05 एवं 06 जुलाई को मोहर्रम का जुलूस निकलेगा। बैठक में जुलूस के रूट एवं ताजिया विसर्जन संबंधी जानकारी कोतवाली को पूर्व से ही अवगत कराने का निर्णय लिया गया।

बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, डीएसपी राघवेन्द्र द्विवेदी, टीआई राघवेन्द्र तिवारी, यातायात प्रभारी, नगरपालिका के अधिकारी, शान्ति समिति के सदस्य गिरधर सिंह, चन्द्रेश द्विवेदी, दिनेश अग्रवाल, संजीव निगम, शानउल्लाखान, पदम खेमका सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शिविरों के माध्यम से 340 आयुष्मान कार्ड व 48 जाति प्रमाण पत्र बनाए गए

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले के चिन्हित ग्राम पंचायतों में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों के माध्यम से ग्रामों में निवासरत पीवीटीजी एवं जनजातीय हितग्राहियों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, सिकल सेल एनीमिया की जांच, पीएम किसान, जनधन खाते, बीमा सुरक्षा सामाजिक सुरक्षा (बृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन), रोजगार और आजीविका योजना (मनरेगा, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा लोन), महिला एवं बाल विकास एवं अन्य का लाभ दिया जा रहा है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले मे आयोजित षिविरा के माध्यम से अभी तक जनजातीय हितग्राहियों मे 1778 आधार कार्ड, 340 आयुष्मान कार्ड, 48 जाति प्रमाणपत्र, 88 पेंशन योजना, 49 पीएम जनधन योजना , 39 पीएम जीवन ज्योति बीमा, 264 पीएम किशान योजना, 190 मातृ वंदना योजना, 126 राशन कार्ड, 152 मनरेगा, 56 निवास प्रमाण पत्र, 2063 पीव्ही टीजी योजनाओं व सेवाओ का लाभ हितग्राहियों को दिया गया एवं 2872 सिकल सेल एनिमिया की जांच की गई।

फर्जी मुआवजा वितरण का दोषी कौन...?

बीटीआर के जिम्मेदार लूट रहे सरकारी खजाना

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के विकास, वहां रहने वाले वन्यजीवों, और वन्यजीवों के कारण आम नागरिकों को होने वाले नुकसान इन सब को ध्यान में रखते हुए सरकार करोड़ों रूपये का बजट उपलब्ध कराती है, जिससे टाइगर रिजर्व को विस्तारित किया जा सके और नुकसान के क्षतिपूर्ति की भरपाई की जा सके, लेकिन विकास के नाम पर मिलने वाली धनराशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। और इस घोटाले में वे जिम्मेदार अफसर शामिल हैं जिन्हें सरकार वेतन से लेकर हर सुविधा मुहैया कराती है, बावजूद इसके अफसर सिस्टम को खोखला करने में आमद हैं।

सरकारी धन के लिए घातक रेंजर

बीटीआर के पनपथा बफर के परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा फर्जी दस्तावेज और फोटो को एडिट कर पशु मुआवजा घोटाले का बड़ा खेल किया गया, जिसमें कई बड़े अधिकारी की मिली भगत की आशंका जताई जा रही है। जहां बाघों व अन्य मंशाहारी वन्य प्राणीयों के द्वारा मवेशियों की होने वाली मौत के लिए सरकार की तरफ से निर्धारित गाइड लाइन अनुसार मुआवजा दिया जाता है, ऐसे में बी.टी.आर. के वन परिक्षेत्र अधिकारी ने कई फर्जी इंट्री कर मुआवजा वितरण के नाम पर सरकारी खजाने में सेंधमारी करने जरा भी कोताही नहीं बरती थी।सहायक संचालक पनपथा के जांच पत्र व वन परिक्षेत्र अधिकारी को जारी की गई नोटिस ने विभाग में चल रहे काले कारनामे से पर्दा उठा दिया, जिसके बाद से शासकीय धन में की गई गफ़लत टाइगर रिजर्व में पशु के नाम पर दिए जाने वाले मुआवजा में एक बड़े घोटाले की ओर इशारा कर रहा है।

आर्थिक क्षति की जांच से खुलेगा राज

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा के वफर क्षेत्र में हो रहे विभिन्न निर्माण कार्यों सहित वन्य प्राणियों द्वारा मारे गए पशु हानी मुआवजे में जमकर अनियमिताएं की जा रही है। हाल ही में ताजा मामला प्रकाश में आया था जहां पनपथा वफर वन परिक्षेत्र के वन परीक्षेत्र अधिकारी द्वारा कई लाखों रूपये का घोटाला फर्जी पशु हानि मुआवजा वितरण के नाम पर किया गया था। इसे लेकर लोगों ने शंका जताई थी कि ऐसा मामला बीटीआर के हर परिक्षेत्र में किया गया होगा, जिसकी निष्पक्ष जांच आर्थिक अपराध की जांच कराने वाली एजेंसी से कराई जाए तो उपरोक्त भ्रष्टाचार में सम्मिलित कई अधिकारी भी सामने आ जाएंगे।

आखिर कौन है फर्जी मुआवजा का दोषी

बी.टी. आर. के अंतर्गत पनपथा अभ्यारण से लगे पनपथा वफर जोन में कई पशु हानि मुआवजा के संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी बफर द्वारा बाघों से मारे गए कई पशु की फोटो ग्राफी एडिट कर और फर्जी प्रतिवेदन तैयार कर पशु हानि बताते हुए मुआवजा दिलाए जाने हेतु प्रस्ताव भेजा गया था, जिसमें सहायक संचालक पनपथा द्वारा 10 अक्टूबर 2024 एवं 3 नवम्बर 2024 और 22 नवम्बर 2024 को अपने पत्र में स्पष्ट फर्जी दस्तावेज फोटो एडिट कर प्रतिवेदन तैयार करने की बात स्वीकार की गई और बीटीआर मुख्यालय उमरिया को सूचना कार्यवाही के लिए दिया गया। वहीं मुख्यालय में बैठे अधिकारियों द्वारा सहायक संचालक के पत्र को दरकिनार करते हुए मुआवजा वितरण करवा दिया गया। अब ऐसे में यक्ष प्रश्न है कि आखिरकार समूचे घोटाले का मास्टरमाइंड कौन है ? जिसने दही से मखखन निकालकर रायता फैला दिया।

आरबीसी में प्रावधानित प्रकरणों में किया जाए राहत राशि का वितरणः कलेक्टर

शहडोल। राजस्व अधिकारियों की बैठक कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व पुस्तक परिपत्र में प्रावधानित नियमों के अनुसार प्रभावित परिवारों को राजस्व अधिकारी एक सप्ताह के भीतर राहत राशि का वितरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने राजस्व से संबंधित रिकार्ड सुधार, सीमांकन, अतिक्रमण के प्रकरणों, डायवर्सन, नामांतरण, राजस्व वसूली, खजिन आरआरसी के प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। वरिष्ठ कार्यालयों से चाहे गए प्रतिवेदनों की जानकारी भी समय-सीमा में प्रेषित कर दी जाए। राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी नियमित रूप से न्यायालयों में बैठकर प्रकरणों का निराकरण करें। इसके साथ ही मैदानी क्षेत्रों का भी सतत रूप से भ्रमण करें। बैठक में कलेक्टर द्वारा तामीली प्रक्रिया तथा राजस्व रिकार्ड सुधार की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर अरविंद शाह, सीईओ जिला पंचायत नरेंन्द्र सिंह, एसडीएम जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, श्रीमती ज्योति परस्ते तथा तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

भूमिहीनों को किया गया पट्टा वितरण

शहडोल। नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता के द्वारा नगरपालिका क्षेत्र वार्ड नंबर 32 में वार्ड पार्षद श्रीमती सुगंधिता सराफ की उपस्थित मे 09 पात्र भूमिहीनों को पट्टा वितरण किया गया। पट्टा वितरण पर हितग्राहियों ने नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता एवं वार्ड पार्षद श्रीमती सुगंधिता सराफ के प्रति आभार व्यक्त किया। पट्टा वितरण के समय पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, पार्षद हीरालाल प्रजापती, नीरज सराफ, वरुण पाल, प्रीतम दास सोनी, नईम अहमद, मुन्ना तिवारी, रमेश विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

गन्दी गाड़ी सहायक यंत्री को नहीं पसंद, पीएचई कार्यालय बना वाहन धुलाई केंद्र, उठे सवाल

उमरिया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में एक सरकारी वाहन को कार्यालय परिसर के भीतर धुलवाए जाने का मामला सामने आया है। यह दृश्य गुरुवार को कार्यालय समय के दौरान देखने को मिला, जब सहायक यंत्री द्वारा उपयोग में लाई जा रही विभागीय वाहन को पानी मारकर साफ किया जा रहा था। वहीं राहगीरों की नजर जब इस गतिविधि पर पड़ी, तो कई लोगों ने सवाल उठाए कि क्या कार्यालय परिसर का उपयोग निजी कार्यों के लिए किया जाना उचित है, भले ही वह वाहन सरकारी हो। जबकि कुछ नागरिकों ने आपसी चर्चा करते हुए हंसी ठिठोली करते हुए कहा कि पीएचई दफ्तर वाहन धुलाई केंद्र बन गया है।

पानी का उपयोग और संसाधनों पर सवाल

पीएचई विभाग का दायित्व ही जल संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन है, ऐसे में कार्यालय परिसर में इस प्रकार खुलेआम वाहन धुलाई पर कई लोगों ने असंतोष जताया। जल संरक्षण की बात करने वाला विभाग यदि स्वयं इस तरह पानी का उपयोग करता है, तो यह विभाग की नीति और जनहित के बीच विरोधाभास उत्पन्न करता है। वहीं बताया गया कि उक्त वाहन का उपयोग आर.के. गुप्ता सहायक यंत्री करता है।

यह कह रहे लोग

कार्यालय परिसर का उपयोग इस तरह के कार्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। यह ना केवल अनुशासन का उल्लंघन है, बल्कि इससे विभाग की छवि पर भी असर पड़ता है। हालांकि, इस संबंध में कार्य पालन यंत्री से आधिकारिक बयान के लिए संपर्क लिया गया तो, उनका फोन नेटवर्क समस्या के कारण कनेक्ट नहीं हो सका। अलबत्ता यदि यह कार्य नियमानुसार है, तो विभाग को इसे स्पष्ट करना चाहिए ताकि भ्रम की स्थिति ना बने। वहीं जागरूक नागरिकों ने इस पूरे मामले की जांच की मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कार्यालय परिसर में सरकारी वाहन धोना नियमों के अंतर्गत आता है या नहीं।

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण कार्यक्रम सामुदायिक भवन में संपन्न

उमरिया। अंतर्राष्ट्रीय नषा निवारण दिवस के अवसर पर सामुदायिक भवन उमरिया में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने आम जनों को नषा नही करने की समझाईष दी एवं नषें के कारण होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया। कार्यक्रम में बताया गया कि नषा नाष कारण बन जाता है। नषें की वजह से परिवार में कलह उत्पन्न होती है। नषें करने से विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियां हो जाती है। उन्होने उपस्थित जनों को नषा नही करने शपथ दिलाते हुए कहा कि हम नषा नही करेंगे और न ही दूसरो को करनें देंगे ।
इस अवसर पर बच्चों के बीच नषा मुक्ति के संबंध में पेंटिंग प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्थान रखने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। बच्चो व्दारा पेटिंग एवं रंगोली के माध्यम से नषे से दूर रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में उपसंचालक सामाजिक न्याय दिव्या गुप्ता, महिला थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी,, श्रम निरीक्षक उमाशंकर त्रिपाठी, पार्षद राजू कोल,शिवमंगल सिंह,ब्रम्ह कुमारी आश्रम से बहन निशा,श्री श्याम लाल जी,सामाजिक न्याय एवं डीडीआरसी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। मंच का संचालन कंचन तिवारी(सामाजिक सुरक्षा अधिकारी)द्वारा किया गया।

एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। मिशन वात्सल्य अंतर्गत घंघरी, निगहरी एवं सिल्वर डील स्कूल में मिशन वात्सल्य अंतर्गत समेकित बाल संरक्षण योजना अंतर्गत बच्चों का एकदिवसीय उन्मुखीकरण पर पास्को एक्ट की जानकारी दी गई। इस दौरान दशरथ बैगा संरक्षण अधिकारी, दिव्या तिवारी केश वर्कर वन स्टॉप सेंटर, रेखा झरिया वन स्टॉप सेंटर उपस्थित रहीं । साथ ही कलेक्ट्रेट पटवारी मीटिंग हॉल में शौर्य दल के मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

नाबालिग के गुमने पर थाने में शिकायत दर्ज

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत सेमरिया मौहर टोला में रहने वाले मनोज ने अपनी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री के घर से बिना बताए कहीं चले जाने की सूचना थाना में दी है। बताया जाता है कि किशोरी अपने घर से अचानक बिना बताए कहीं चली गई जिसकी पता तलाश पास पड़ोस एवं संभावित रिश्तेदारों में भी की गई। जिसके पता न चलने पर थाने में सूचना दी गई है। पुलिस के द्वारा शिकायत पर नाबालिग की पता तलाश में जुटी है।

पुलिस ने जप्त की अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत पुलिस ने अवैध शराब बिक्री करते केशव चौधरी 30 गोविंदा गांव के कब्जे से 6 लीटर शराब कीमती 750 रुपए को जप्त करते हुए आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया गया। बताया जाता है कि आरोपी के द्वारा जरीकेन में अवैध शराब छुपा कर रखा गया था। जिसे पुलिस ने जप्त कर कार्रवाई की है।

दामाद कर रहा गाली गलौज

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत निगवानी लालपुर में रहने वाली महिला मुन्नी बाई के द्वारा अपने दामाद विष्णु के खिलाफ अश्लील गाली गलौज कर धमकी दिए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायत के माध्यम से आरोप लगाया कि दामाद के साथ रहती हूं जिसके द्वारा आए दिन विवाद करते हुए गाली गलौज किया जाता है। कई बार विवाद और समझाइस भी दी गई लेकिन बार-बार गाली गलौज विवाद करने व धमकी दिए जाने से त्रस्त होकर थाने में शिकायत की गई।

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड कोल ब्लॉक की लोक सुनवाई संपन्न

कोल ब्लाक से बदलेगी धौरई सहित चार ग्रामों की तकदीर

उमरिया। शहडोल से महज 10 किलोमीटर दूर पाली ब्लाक के ग्राम धौरई में अल्ट्राटेक, पीसीबी व जिला प्रशासन ने कोल ब्लाक के लिए जनसुनवाई आयोजित की, इसमें सैकड़ों ग्रामीण, महिलाएं पहुंचे और ब्लाक खुलने से क्षेत्र में होने वाले विकास, वृह्द रोजगार आदि के संदर्भ में खुलकर जनसंवाद किया। जनपद पंचायत पाली के ग्राम धौरई के पंचायत भवन में गुरुवार को मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड कोल ब्लॉक को लेकर लोक सुनवाई का आयोजन किया गया जिसमे प्रभावित ग्रामों के निवासियों जनप्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। भारत सरकार द्वारा उमरिया जिले के पाली ब्लॉक में मेसर्स अल्ट्राटेक कंपनी को टेंडर के माध्यम से भूमिगत कोल ब्लॉक आवंटित किया गया है। परियोजना में कुल चार ग्राम अर्जुनी, बड़वाही, धौरई,और पहाडिय़ा प्रभावित होंगे,परियोजना से कुल 1045 हेक्टेयर भूमि प्रभावित होगी,परियोजना से सालाना 1.36 डज कोयले का उत्पादन किया जाएगा। लोक सुनवाई में एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह,क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मुकेश श्रीवास्तव सहित कंपनी के प्रबंधक अधिकारी एवं कर्मचारी सहित नागरिक मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने रखी अपनी बात

लोक सुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने कोयला उत्पादन के दौरान और बाद में होने वाली समस्याओं और उनके निदान के ऊपर अपनी बात रखी,जिसमे मुख्य रूप से उचित मुआवजा,शिक्षा,पेयजल,प्रदूषण नियंत्रण, जलवायु, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर अपनी बात रखी,लोक सुनवाई में अवधेश प्रताप सिंह उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पाली,हेमनाथ बैगा सदस्य जिला पंचायत,रविकांत द्विवेदी सामाजिक कार्यकर्ता,धनीराम,शाकिर खान,राजेश सिंह सरपंच,उदय यादव अर्जुनी,सुरेश पनिका वार्ड 09,मनीष सिंह जनपद अध्यक्ष पाली,लखन लाल पनिका,लोकनाथ चौधरी ने अपनी समस्याओं से संबंधित बात रखी।

केवी रेड्डी ने किया मंच से वादा

लोक सुनवाई में कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष केवी रेड्डी ने जनता की समस्याओं को लेकर कंपनी की ओर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि कंपनी लोक सुनवाई में जो भी वायदा करेगी उसे निभाएगी। केवी रेड्डी ने धौरई कोल ब्लॉक अंतर्गत प्रभावित ग्रामों एवं वनों में आने वाले शेड्यूल वन के वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रस्ताव निर्मित किया गया है जिसका परिपालन वन विभाग के द्वारा किया जाएगा। भूमिगत कोयला उत्पादन का कुल क्षेत्र 1045 हेक्टेयर में कुल 24 हेक्टेयर में जमीन के ऊपर निर्माण कार्य कराया जाएगा जिसके लिए कंपनी 8 हेक्टेयर में जंगल लगाया जाएगा। कंट्रोल ब्लास्टिंग की जाएगी। तालाबों के पानी को ट्रीट किया। रोड के दोनों तरफ पेड़ लगाएंगे। रोजगार के लिए योग्यता और आवश्यकतानुसार स्थानीय लोगों को दिया जाएगा,स्किल डेवलपमेंट के लिए काम करेंगे। भूमिगत खदान से डस्ट पॉल्यूशन एयर पॉल्यूशन नहीं किया जाएगा। शिक्षा के लिए विस्तार का काम करेंगे। बच्चों को खेल के लिए संसाधन मुहैया कराएंगे,स्कूली छात्रों को ऑनलाइन कोचिंग प्रदान करेंगे,पहले साल सीएसआर मद से डेढ़ करोड़ रुपए सामाजिक उत्थान के लिए खर्च किए जाएंगे,कंपनी की सारी जानकारी वेबसाइट में उपलब्ध है जो सार्वजनिक तौर पर देखी जा सकती है।

मोहर्रम का पर्व शांति एवं भाईचारे के साथ मनाएं : कलेक्टर

मोहर्रम का पर्व मनाने हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। जिले में मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे के साथ मनानें की परंपरा रही है। इस परंपरा को कायम रखते हुए मोहर्रम का आपसी सौहार्द के साथ मनाएं। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मोहर्रम पर्व को मनाने हेतु आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में व्यक्त किए । उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से कहा कि नगर का भ्रमण करते हुए ईमामबाड़ा से कर्बला रेल्वे फाटक मार्ग एवं पुराना पड़ाव तक की सडक़ो के किनारे वेंडरो को हटाने की कार्यवाही सुसंगत स्थल पर कराई जाए । ईमामबाड़ा , कैंप , कर्बला, रेल्वे फाटक एवं गांधी चौक , विनोबा मार्ग , खलेसर मार्ग पर गढ्ढों की मरम्मत एवं मुरमीकरण, डामरीकरण की जहां आवश्यकता हो, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग व्दारा किया जाए । इसी तरह पेयजल आपूर्ति , प्रकाश व्यवस्था के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी, ई ई एमपीईबी व्दारा की जाएगी । उन्होने ई ई एमपीईबी को निर्देशित किया कि मोहर्रम पर्व के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित नही हो, इस पर विशेष ध्यान रखा जाए । मोहर्रम के समय बाहर से आने वाले लोगों के रूकने के लिए यथोचित व्यवस्था करने की बात कही । त्यौहार के समय अवारा पषुओ से किसी भी प्रकार की समस्यां नही हो, इस पर विषेष ध्यान देने के निर्देष दिए गए।
पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने कहा कि मोहर्रम पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाने के लिए जगह जगह पर पुलिस बल की पर्याप्त संख्या मे तैनातगी की जाएगी । उन्होने कार्यक्रम का विधिवत रूटचार्ट तैयार करें तथा कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगो की जानकारी भी तैयार करें , ताकि उसी प्रकार से व्यवस्था कराई जा सके।मोहर्रम कमेटी ने बताया कि मोहर्रम का पर्व 6 जुलाई को मनाया जाना है । मोहर्रम की पहली तारीख से लेकर 10 तारीख तक यानि 6 जुलाई तक नगर के युवाओं व्दारा शेर बनकर नाचने की परंपरा रहती है ,जो शेर बनकर ईमामबाड़ा पहुंचते है और अपनी हाजिरी लगाते है । मोहर्रम की पांचवी तारीख यानि 1 जुलाई को ईमामबाड़े में परचम कुसाई का कार्यक्रम आयोजित होगा । मोहर्रम की सातवी तारीख यानि 3 जुलाई को हस्बदस्तूर गिरोह ईमामबाड़ा कैंप से 7 बजे शाम जामा मस्जिद बाजार उमरिया के लिए रवाना होगा । जलसे का आयोजन किया जाएगा । इसी दिन रात्रि 11 से 12 बजे के बीच बाबा हुजूर की सवारी ईमामबाड़ा से उठकर नगर में गश्त करेगी । मोहर्रम की आठवी तारीख यानि 4 जुलाई को इमामबाड़ा का गिरोह रात 9 बजे से बाजार का गश्त करेगा । मोहर्रम की नौवी तारीख यानि 5 जुलाई को मोहर्रम का जलसा शाम 7 बजे से प्रारंभ होकर सुबह 6 बजे तक चलेगा । इसी रात 3 से 4 बजे के बीच बाबा हुजूर की सवारी ईमामबाड़ा से उठकर नगर का गशत करेगी तथा मुरादगाह पहुंचकर मुरादियों को मुराद बांटेगी व सुबह 6 बजे सवारी मुरादगाह से ईमामबाड़ा वापस आएगी। इसी तरह मोहर्रम की 10 तारीख यानि 6 जुलाई को दोपहर 2 बजे से लोगो की भीड़ आना प्रारंभ हो जाएगी। इसी दिन बाबा हुजूर की सवारी सायं 4 बजे के आस पास इमामबाड़ा से उठकर मुरादगाह स्थल पहुंचेगी। मुरादगाह के बाद बाबा हुजूर की सवारी गांधी चौक, जामा मस्जिद से पुनः गांधी चौक तथा खलेसर होते हुए कर्बला के लिए प्रस्थान करेगी जहां बाबा हुजूर की सवारी ठंडी होगी । मोहर्रम की 12 तारीख यानि 8 जुलाई को हस्बरदस्तूर इमामबाडे वाले 8 बजे सुबह मातमी बाजे के साथ कर्बला शरीफ के लिए रवाना होगे तथा दोपहर 12 बजे तक वापस होगे । बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीओपी पुलिस नागेंद्र प्रताप सिंह, तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह, अजय सिंह, राकेश प्रताप सिंह, शंभू लाल खट्टर, पुष्पराज सिंह, मेंहदी हसन, एराश खान, अफसर अली राही, यश सिंह, अब्दुल अलीम, मो असलम शेर, राहुल कुमार साहू प्लाटून कमांडर, एसडीओ पीडब्ल्यूडी एस के वर्मा, एई आर के जायसवाल, राजेन्द्र कोल, मोहम्मद असलम, मो आजाद, सूबेदार शरद श्रीवास्तव, सी के तिवारी यातायात निरीक्षक उपस्थित रहे।

अमृत सरोवर का विधायक, कलेक्टर, सीईओ ने किया निरीक्षण

जल मानव जीवन का अभिन्न अंग : कलेक्टर

उमरिया। जल की एक बूंद को बचाने मे जल गंगा संवर्धन अभियान मील का पत्थर साबित हुआ । प्रदेश शासन के आव्हान पर उमरिया जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया गया। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं को संरक्षित करने का कार्य का किया गया। उक्त आशय के विचार विधायक बांधवगढ़ शिव नारायण सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान समापन के व्दितीय दिवस करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत तामान्नारा में निर्मित अमृत सरोवर का अवलोकन करते हुए व्यक्त किए ।
उन्होने कहा कि जल गंगा संवर्धन के तहत ग्रामीण अंचलों सहित नगरीय निकायो में जल को संरक्षित करने की दिशा में अनेकों कार्य किए गए है। तालाबों का गहरीकरण कार्य किया गया जिसमें अब पानी भरने लगा है, यह पानी ग्रामीणों सहित पषु पक्षियो के काम आ रहा है। बावडिय़ो की साफ सफाई, खेत तालाब, अमृत सरोवरों का निर्माण, घाटों का सौदर्यीकरण, बोरी बन्धान के कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमे सभी ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि जिले में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत समापन 30 जून को होगा। तीन माह तक चले अभियान में लोगो ने जल की महत्ता को समझते हुए स्वयं ही जल को संरक्षित करने का कार्य अभियान के दौरान जल स्त्रोतों के आस पास बने अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए उन्हें हटाने का कार्य किया गया। जल मानव जीवन के लिए अभिन्न अंग है। जल के बिना मानव का जीवन संभव नही है। तामान्नारा स्थित अमृत सरोवर का पानी यहाँ के ग्रामीणो के लिए अमृत बनेगा। आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान जल को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के माध्यम से आम जनों के बीच मे पानी को बचाने की अलख जगाई गई, जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर सी ई ओ जिला पंचायत अभय सिंह, सी ई ओ जनपद पंचायत करकेली हरनीत कौर कलसी , जनप्रतिनिधि, खंड स्तरीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत पनपथा में 100 दिवसीय निक्षय शिविर प्रारंभ

उमरिया। जिला क्षय अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी के मार्गदर्शन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर पनपथा अंतर्गत ग्राम पंचायत पनपथा में 100 दिवसीय निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित समस्त व्यक्तियों में से लगभग 70 लोगों की टी.बी. की स्क्रीनिंग व एक्स-रे जांच की गई। षिविर में 7 लोगों में टी.बी. के लक्षण पाये गये। उपस्थित लोगों को टी.बी. के प्रति सामाजिक जागरूकता लाने हेतु निक्षय शपथ दिलाई गयी। शिविर में डीपीसी शारदा प्रसाद गुप्ता, भानू विश्वकर्मा बीपीएम मानपुर, राजेन्द्र वर्मा बीसीएम, नम्रता जोशी, सीएचओ आयुष्मान आरोग्य मंदिर पनपथा, एसटीएस मानपुर, आशा एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहें।

बीच सडक में निर्माण सामग्री रखने पर आवागमन हो रहा बाधित

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में यातायात व्यवस्था को लेकर आए दिन नागरिकों में गुस्सा देखा जा रहा है। आलम यह है कि नगर की सड़कों में व्यापारियों के द्वारा नगर पालिका के द्वारा बनाई गई सफेद पट्टी के बाहर दुकान लगा रहे हैं । सड़कों पर ही दो पहिया चार पहिया वाहन खड़ा कर देने के कारण प्रतिदिन यातायात बाधित होती है जिसके कारण आम नागरिक को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं नगर की गलियों में बीच सड़क पर ही भवन निर्माण सामग्री रेत ईट गिट्टी सरिया रख देते हैं जिसके कारण भी आवागमन बाधित हो जाता है। साथ ही बाजार की मुख्य सड़कों सहित अंदर मोहल्लों की गलियों में यदि किसी के घर में कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है तो पूरी तरह से सड़क को जाम करते हुए आवागमन बाधित कर दिया जाता है। जिसके कारण आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन सब परेशानी को देखते हुए नगर के एक समाज चिंतन के द्वारा पूर्व में नगर पालिका में आवेदन दिया गया था लेकिन यहां से कोई भी कार्यवाही होते नहीं देखा परेशान होकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का दमन कामना पड़ा। उन्होंने हेल्पलाइन में शिकायत करते हुए बताया कि नगर पालिका की लापरवाही के कारण प्रतिदिन नगर में यदि किसी भी व्यक्ति के घर में सार्वजनिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है तो उस रास्ते पर टेंट लगाकर पूरी तरह से रास्ते को जाम करते हुए बाधित कर दिया जाता है। इतना ही नही भवन निर्माण कराने के लिए भी रास्ते को जाम करते हुए आवागमन बाधित कर दिया जाता है। जिसके कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करते हुए मांग की है कि नगर पालिका के द्वारा इस पर पहल करते हुए बीच सड़क पर यदि कोई भी व्यक्ति भवन निर्माण के लिए एवं घरों मे हो रहे सार्वजनिक कार्यक्रमों मे टेंट लगाकर रास्ते को जाम करते हुए बाधित करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुए जप्ती की कार्यवाही किया जाए जिससे आम जनता को परेशानी का सामना न करना पड़े ।

मिट्टीयुक्त पीने के पानी की सप्लाई से आक्रोश

हरिभूमि न्यूज कोतमा। बारिश का मौसम शुरू हो गया है जिसके कारण जिला प्रशासन के द्वारा नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के निर्देश भी जारी किए गए हैं स्वच्छ एवं साफ पानी पीने के लिए कहा जाता है, लेकिन कोतमा नगर पालिका क्षेत्र में नल जल योजना का संचालन करने वाले ठेकेदार के कर्मचारियों के द्वारा दो दिनों से नगर में मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई की जा रही है जिसके कारण पानी पीने योग्य नहीं है लोग पीने का पानी खरीद कर मांगने को मजबूर हो रहे हैं लोगों का कहना है की बारिश का मौसम होने के कारण मिट्टी युक्त पानी पीने से बीमारी होने का खतरा ज्यादा है। बता दें कि नगर पालिका क्षेत्र में 19 करोड़ की लागत से नल जल योजना का कार्य स्वीकृत हुआ था जिसमें केवई नदी के किनारे करोड़ों रुपए खर्च कर फिल्टर प्लांट का निर्माण करवाया गया है और पानी को साफ एवं स्वच्छ करने के लिए मशीन भी लगवाई गई है जिससे आम नागरिकों को साफ एवं स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सके, लेकिन नलजल योजना में लगे ठेकेदार के कर्मचारी के द्वारा लापरवाही की जा रही है जिसके कारण आम जन को मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई दो दिनों से की जा रही है। बारिश का मौसम होने के कारण यदि मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई की जाएगी तो आम नागरिकों को टाइफाइड पीलिया एवं पेट से संबंधित बीमारी होने का खतरा ज्यादा है जिसके कारण लोग मजबूरी में दो दिनों से बाजार से खरीद कर घरों में पीने का पानी ला रहे हैं। जब इस संबंध में नल जल योजना के कार्य में लगे लैब टेक्नीशियन से जानकारी चाही गई तो उनका कहना था कि बुधवार को नदी में बाढ़ आ गई थी और बाढ़ का मिट्टी युक्त पानी फिल्टर प्लांट में घुस गया था जिसके कारण नगर में यदि पानी की सप्लाई मिट्टी युक्त हुई है, मैं तत्काल दिखवाता हूं।

इनका कहना है

मैं तत्काल इसके संबंध में ठेकेदार के कर्मचारियों से बात करता हूं। यदि मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई की जा रही है तो वह गलत है मैं उसे साफ पानी की सप्लाई करने का निर्देश तत्काल दूंगा।

प्रदीप झारिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कोतमा

आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। शुक्रवार को श्री आदि शक्ति पंचायती मंदिर स्टेशन चौक के पास से भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलदाऊ की रथ यात्रा धूमधाम से नगर भ्रमण के लिए निकली जाएगी। मंदिर समिति ने बताया कि भक्तों के दर्शन के लिए शाम 4 बजे मंदिर प्रांगण से रथ यात्रा रेलवे मार्केट स्टेशन चौक से गांधी चौक होकर नगर के मुख्य मार्गो में भ्रमण करने के बाद वापस मंदिर पहुंचेगी। रथ को सभी श्रद्धालुओं द्वारा हाथ से खींचा जाएगा। भक्तों के द्वारा जगह-जगह आरती उतारते हुए पुष्प वर्ष एवं स्वागत किया जाएगा। मंदिर में रथ यात्रा की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। विदित रहे कि नगर में भव्यता के साथ हर वर्ष की तरह इस तरह भी हर्षोल्लाह के साथ विशाल जनसमूह के द्वारा विभिन्न मार्गो से निकाली जाएगी।मंदिर समिति ने सभी भक्तों से रथ यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की गई है। भगवान को विशेष प्रकार के मीठे चावल का भोग लगाया जाएगा एवं बाहर से आए वस्त्रों न से श्रृंगार किया जाएगा।

बंदरों के आतंक से रहवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के कई वार्ड में बंदरों का आतंक जारी है जिस कारण वार्ड वासी एवं नागरिक परेशान हो रहे हैं। बताया जाता है कि रेलवे कॉलोनी, पुरानी बस्ती, बाजार अस्पताल, जंगल चौकी, बनिया टोला, स्टेशन परिसर के आसपास के घरों में आधा दर्जन से ज्यादा बंदर आए दिन उत्पात मचाते हुए लोगों को परेशान कर रहे हैं। बंदरों की उछल कूद के दौरान छानी एवं खपरैल वाले घरों को ज्यादा नुकसान हो रहा है साथ ही छत में रखी सामग्री को भी फैलाते हुए नुकसान पहुंचा रहे हैं। वार्ड वासियों के द्वारा बंदरों के आतंक की सूचना कोतमा वन विभाग को दी जाती है जिनके द्वारा बिजली रेंज क्षेत्र होना कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं। वहीं सूचना पाकर वन्य प्राणी प्रेमी हरिवंश पटेल के द्वारा आकर बंदरों को आबादी बस्ती से दूर भगाया जाता है।

पागल कुत्ते ने आधा दर्जन को काटकर किया घायल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा नगर पालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक 8 में एक पागल कुत्ते के द्वारा वार्ड के ही आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को काटकर घायल किया गया। पागल कुत्ते ने नगर के विकास अग्रवाल, प्रवीण जायसवाल सहित साहू मोहल्ला एवं पुलिया के पास रहने वाले कई लोगों को काटते हुए घायल कर दिया। घायलों के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच कर टिटनेस एवं रेबीज का इंजेक्शन लगवाया गया। पागल कुत्ते के आतंक की सूचना नगर पालिका को मिलने पर उनके द्वारा टीम भेजते हुए बड़ी मुश्किल से काबू में करते हुए दूर जंगल में ले जाकर छोड़ गया। जिसके बाद वार्ड वासियों ने राहत की सांस ली। बताया जा रहा है कि दो दिनों तक पागल कुत्ते की दहशत बनी रही लोग अपने घरों में निकलने से करता रहे थे कई माता-पिता द्वारा एक दिन अपने बच्चों को स्कूल भी नहीं भेजा गया। लगातार कुत्ते के दहशत के बाद नगर पालिका ने संज्ञान लेकर कुत्ते को पड़कर जंगल में छोड़ा।

खबर संक्षेप

कीचड़ से सन गया मार्ग, आवागमन हो रहा मुश्किल

कटनी। पुरवार कन्या हाईस्कूल बालाजीनगर शिवनगर में नगर निगम के द्वारा 500 मीटर के लगभग नाला निर्माण का कार्य बीते करीब एक महीने से चल रहा है लेकिन मुख्य ठेकेदार द्वारा खुद काम ना करते हुये अन्य पेटी ठेकेदारों को देकर लेटलतीफी की गई जिससे पुरवार कन्या स्कूल का मुख्य मार्ग कीचड़ से सन गया है। इस मार्ग से आने जाने वाली छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जबकि अभी सिर्फ मानसून की पहली बारिश है। नाला निर्माण ठेकेदार द्वारा इस कदर लापरवाही की जा रही है वह एक दिन छोड़ एक दिन काम करता है और उक्त मार्ग पर शासकीय स्कूल के अलावा प्राइवेट स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ स्कूल बसों आवागन भी बना रहता है जिससे पुरवार कन्या शाला की छात्राओं एवं प्राइवेट स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने हेतु काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ओवरलोड परिवार पर 53 हजार रूपए का जुर्माना

कटनी। ओवरलोड परिवहन के मामले में न्यायालय ने ट्रक चालक एवं मालिक दोनो पर 53 हजार रूपए का जुर्माना लगया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है । ट्रक वाहन क्रमांक DD-01-H-9092 का चालक मुकेश चौहान क्षमता में अधिक माल लोड कर परिवहन करते पाए जाने वाहन मालिक एवं चालक के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था जिसे निकाल हेतु न्यायालय में पेश किया गया था जिस पर न्यायालय द्वारा ट्रक चालक मुकेश चौहान के विरुद्ध 27,000/- ट्रक मालिक नीरज अग्रवाल के विरुद्ध 26,000 कुल 53,000 के अर्थ दण्ड से दंडित कर संबंधित वाहन मालिक को वाहन सुपुर्दनामे में दिए जाने हेतु आदेशित किया गया माननीय न्यायालय के आदेश संबंधित वाहन मालिक को वाहन सुपुर्द किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का ट्रांसफर

कटनी। लोक स्वास्थ्य संचालनालय भोपाल द्वारा कुछ दिन पहले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, सिविल सर्जन, नर्सिंग ऑफीसर एवं अन्य अधिकारियों की तबादला सूची जारी की गई थी जिसमे कटनी जिले में पदस्थ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अठ्या को दमोह जिले में पदस्थ किया गया था। कन्हवारा में पदस्थ डॉ. राज सिंह ठाकुर को प्रभारी सीएमएचओ के पद पर नियुक्त किया था। डॉ. राज सिंह ठाकुर के प्रभारी सीएमएचओ बनने के बाद अब कन्हवारा डॉक्टर विहीन हो गया है। जिससे यहां की स्वास्थ्य सेवाओं पर खासा असर पड़ रहा है। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़वारा में पदस्थ सीबीएमओ डॉ. अनिल झामनानी को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी निमाड़ी, डीएचओ टू डॉ. डी जे मोहन्ती को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंडला, डीएचओ वन डॉ. शोभा चौधरी को संयुक्त संचालक जबलपुर और रीठी सीबीएमओ डॉ. पंकज भदौलिया को उप संचालक नेशनल हेल्थ मिशन भोपाल के पद पर पदस्थ किया गया है। इस तरह एक साथ 5 अधिकारियों का कटनी से तबादला किए जाने से जिले का स्वास्थ्य विभाग अधिकारी विहीन हो गया है। जिससे शासकीय कामकाज पर असर पड़ रहा है। यह भी पता चला है कि लोक स्वास्थ्य संचालनालय भोपाल द्वारा संयुक्त संचालक कार्यालय जबलपुर में पदस्थ डॉ. भरत खटीक का कटनी जिले में डीएचओ के पद पर स्थानांतरण किया था लेकिन उन्होंने हाईकोर्ट से सटे ले लिया है।

ग्राम पंचायत धौरई में अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की पर्यावरणीय जन सुनवाई संपन्न

शासन के मापदण्डों के अनुरूप संचालित होगी खदान, मिलेगा रोजगार

उमरिया जिले के पाली विकास खंड के धौरई ग्राम पंचायत में अल्टाटेक सीमेंट कंपनी की स्वीकृति भूमिगत कोल खदान की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु जन सुनवाई धौरई ग्राम पंचायत के प्रांगण में आयोजित की गयी। जन सुनवाई में पर्यावरण अधिकारी श्रीवास्तव शहडोल और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाली अंबिकेश प्रताप सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई।

बिरसिहपुर पाली उमरिया

इस अवसर पर अल्टाटेक कंपनी की ओर से खेमी रेड्डी ने कोल परियोजना की प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए जन समुदाय को बतलाया की अर्जुनी इस्ट भूमिगत कोल खदान जिसमें बडवाही, धौरई, अर्जुनी और पहडिया गाँव के बीच यह भूमिगत खदान संचालित की जायेगी, जो कि 1044.819 हेक्टेयर भूमि अर्जित कर 27 वर्षों तक प्रतिवर्ष 1.36 मीलियन टन कोयला का उत्पादन किया जायेगा।कोल परियोजना में 556 करोड़ रूपये लागत आयेगी। आज की जनसुनवाई कोल अधिनियम 2016 के अनुरूप आयोजित की गयी है, जिसके तहत टर्मस आफ अपर्जवेशन जो बनाया गया है उसमें परियोजना के संचालन में समुदाय की ओर से आये सुझावों को जोडकर आगे की कार्ययोजना तैयार की जायेगी। आपने अपने उदबोधन में बतलाया की हम 70 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया कराने के लिए कृत संकल्पित है।भूमिगत खदान मे यद्यपि अन्य उद्योगों के अनुपात में पर्यावरण को कम नुकसान होता है, फिर भी पर्यावरणीय छति तो होती है, और उसके भरपाई के लिए हम शासन के निर्देशों का पालन करने के लिए कटिबद्ध है। आपने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वृक्षारोपण, जल प्रदूषण से निपटने के लिए फील्टर प्लांट, जल की कमी के लिए जल संचय आदि की उत्तम व्यवस्था करने की बात कही। श्री रेड्डी जी ने जन सुनवाई में उठायी गये सवालों का समाधान करते हुए बतलाया की यह परियोजना यद्यपि राष्ट्रीय उद्यान के 10 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है फिर भी वन्य प्राणियों के जीवन को सुरक्षित करने के लिए वर्तमान में 10 करोड़ रूपये का बजट रखा गया है, जिसमें समयानुसार वृद्धि की जायेगी। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए क्षेत्र में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जायेंगे और शासन के साथ मिलकर शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्ता युक्त बनाने का काम किया जायेगा। सी एस आर मद में प्रभावित गाँवों में प्राथमिकता तय करते हुए क्रमशः बुनियादी तौर पर काम किया जायेगा।जन सुनवाई में उठाये गये सवालों का बेबाक पूर्ण जबाब देते हुए श्री रेड्डी ने बताया की भूमि गत खदान से भूमि में दरार आने के बारे में बताया की खदान मे उत्तम कोटि से कोयला निकालने का काम करेगी ताकि भूमि में दरार नहीं आयेगी। रोजगार संबंधित सवालों का जबाब देते हुए बताया कि हम अपने जरूरत के अनुरूप मैनेजमेंट कोर्स कराते हुए लोगों को प्रशिक्षित करते हुए लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का गुरतर प्रयास करेंगे। जन सुनवाई में जनपद अध्यक्ष मनीष सिंह, उपाध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य हेमनाथ बैगा, जनपद सदस्य सुरेश पनिका के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक और स्थानीय लोगों ने पर्यावरण के संबंध में, रोजगार की उपलब्धता, जल, वायु, वन्य जीवों और आदिवासियों के हक़ में अपनी बात रखते हुए कहा की कोयला उद्योग के संचालन से स्थानीय लोगों का जीवन संवारने का काम होना चाहिए न की उनका जीवन तबाही के साथ। कार्यक्रम के अंत में अंबिकेश प्रताप सिंह ने बताया की जन सुनवाई में सभी पक्षों की बात आयी है, जिसकी नियमत बीडियो ग्राफी कराई गयी है जो शासन को भेंजी जायेगी और इसमें जो आवश्यक दिशा निर्देश मिलेगें उसके अनुरूप परियोजना को क्रियान्वयन किया जायेगा।जन सुनवाई शांति पूर्ण से संपन्न हुई।

जांच का बहाना वसूल रहे नजराना

स्टेशनरी की दुकानों में बिक रहे बीज

ब्यौहारी

ब्लॉक मुख्यालय सहित जयसिंहनगर में इन दोनों नकली एवं मानक बी धड़ले से बिक रहा है क्योंकि सैंपलिंग अधिकारी प्रदीप कुशवाहा द्वारा दुकानदारों से खुली लेनदेन की जाती है उनके द्वारा यदि किसी दुकानदार द्वारा 15 वैरायटी के बीज रखे गए हैं तो सिर्फ एक का सैंपल ले लिया जाएगा बाकी छोड़ दिया जाता है इसी तरह व्यवहारी बुढ़वा बाणसागर हर जगह उनकी सहपर अमानक बीज बेचे जा रहे हैं स्टेशनरी के दुकानों में बिक रहे बीज-भरेशशाह ही यहां तक है कि प्रदीप कुशवाहा द्वारा जानकारी होने के बावजूद भी ऐसी दुकान जो सिर्फ मौसम के समय खुलती है स्टेशनरी की दुकानों किरना की दुकानों में बीज बेचे जा रहे हैं ऐसे लोग बिना लाइसेंस के60 किलो की धान ब्रांडेड कंपनियों में पैक करके 350 सौ रुपए किलो तक बेंच देती और सैंपलिंग अधिकारी कुशवाहा जमकर वसूली में जुटे हुए ऐसा लगता है कि पैसा लेकर पान की दुकानों में भी खाद बीज बिकने लगेगा। -उपसंचालक कृषि की भी भूमिका संदिग्ध - शहडोल जिले के उपसंचालक कृषि की भूमिका संदिग्ध है क्योंकि नियम के मुताबिक जो जिस ब्लॉक का कृषि विस्तार अधिकारी है अपने ब्लॉक में सैंपलिंग करेगा और सैंपलों की जांच कर रिपोर्ट बनाएगा अमानक सैंपल पाए जाने वालों को नोटिस जारी कर उनके लाइसेंस निरस्त करेगा लेकिन उनके द्वारा जयसिंहनगर एसडीओ को सर्वेसर्वा बना दिया और वह जैसी नगर और व्यवहारी दोनों ब्लॉकों का सैंपलिंग अधिकारी बनाया गया एक व्यक्ति कैसे दो ब्लाकों को संभाल सकता है इसलिए धड़ल्ले से क्षेत्र में अमानत बीज बिक रहा है कोई देखने वाला नहीं प्रदीप कुशवाहा एवं संचालक कृषि दोनों मिलकर के उगाही की रकम का बंदर बांट करते हैं। सैंपल फेल फिर भी नहीं की कोई कार्रवाई - अमानक बीज मिलने पर भी नहीं की कोई कार्रवाई-पिछले साल ब्यौहारी- और जयसिंहनगर के कुछ दुकानों के बीच अमानक पाए गए थे ऐसे में उनके खिलाफ नोटिस देकर लाइसेंस निलंबित करना चाहिए लेकिन कुशवाहा द्वारा उनसे10000 लेकर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और बता दिया कि सब सही है। सैंपलिंग अधिकारी को हटाए जाने की मांग - क्षेत्र के किसानों ने मुख्यमंत्री एवं कमिश्नर से नकली, अमानक बिना लाइसेंस के चल रही दुकानों के लिए जिम्मेदार सैंपलिंग अधिकारी जयसिंहनगर की कृषि विस्तार अधिकारी प्रदीप कुशवाहा जिनको ब्यौहारी- का भी बनाया गया है उनको हटाकर जांच टीम बनाकर नए सिरे से ब्यौहारी-एवं जैसिंनगर खाद बीज दुकानों की जांच कराए जाने की मांग की एवं जो जिस ब्लॉक का कृषि विस्तार अधिकारी है उसको सैंपल लेने का अधिकार देने की मांग की जिससे नकली बीजों पर रोक लगाई जा सके और किसनो की साल भर की मेहनत पर पानी न फिर सके ।

गुटीय राजनीति से दूर स्वच्छ छवि के निष्ठावान कार्यकर्ता को बनाया जाए जिला अध्यक्ष

ब्यौहारी-शहडोल। मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस के पूर्व महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने लिखित वक्तव्य के माध्यम से एआईसीसी पीसीसी के द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों से यह अनुरोध किया है कि शहडोल जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के चयन की जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है वह स्वागत योग्य है परंतु पार्टी अध्यक्ष के रूप में उसी कार्यकर्ता को चयनित किया जाए जो लंबे समय से पार्टी का निष्ठाबान रहा हो तथा प्रदेश के किसी भी गुट विशेष से संबंधित ना हो साथ ही स्वच्छ छवि के साथ आपराधिक छवि का व्यक्ति नाहो यदि इस तरह की मापदंड को गंभीरता में लेकर चयन को अंतिम रूप दिया जाएगा तो निश्चित ही कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के माध्यम से पार्टी का संगठन मजबूत होगा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पार्टी को सुधार करने का सपना साकार होगा।

आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ जी स्वामी की भव्य रथ यात्रा

शहडोल। भगवान जगन्नाथ जी स्वामी रथ यात्रा आयोजन समिति के माध्यम से नगर में विगत 100 वर्षों से शहर के नागरिकों द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी स्वामी रथ यात्रा निकाले जाने की परंपरा प्रारंभ हुई थी, जो आज भी निरंतर जारी है। आज दोपहर 2.00 बजे पुष्प नक्षत्र महायोग जैसे अति विशिष्ट शुभ मुहूर्त पर भगवान श्री जगन्नाथ जी स्वामी की भव्य रथ यात्रा मोहन राम मन्दिर शहडोल से प्रारंभ होगी। यात्रा मार्ग मोहन राम मंदिर शहडोल से गणेश मंदिर बुढ़ार चौक से वापस होते हुए गुरु नानक चौक, घरौला मोहल्ला, कमिश्नर बांग्ला, नर्मदा गैस एजेंसी, जय स्तंभ से वापस मुख्य मार्ग, चौपाटी , गंज रोड, सब्जी मंडी होते हुए न्यू गांधी चौक पुराना गांधी चौक शिवम होटल से जामा मस्जिद होते हुए पुराना गांधी चौक से भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा पंचायती मंदिर पहुंचेगी। यहां पर दो दिवस भगवान विश्राम करेंगे, 29 जून 2025 को शाम 5 बजे भगवान जगन्नाथ पंचायती मंदिर से मोहन राम मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे।समिति के सदस्यों ने बताया की शहडोल नगर की सुख शांति वैभव के लिए भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। नगरवासी भगवान जगन्नाथ जी के रथ यात्रा का पूरे साल भर बेसब्री से इंतजार करते हैं, रथ यात्रा निकलते समय घर-घर पर दीप जला कर भगवान जगन्नाथ जी की पूजा आराधना नगर वासियों द्वारा उत्साह के साथ की जाती है।

गोल्ड-कांस्य पदक से सम्मानित हुआ ओम

शहडोल।

योग प्रतिस्पर्धा में गोल्ड एवं कांस्य पदक प्राप्त कर जिले ही नहीं बल्कि प्रदेश का नाम देश में रोशन किया है, उक्त प्रतियोगिता विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी तमिलनाडु में आयोजित हुई थी । छात्र का चयन नेशनल योग ओलंपियाड के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन के जरिये हुआ था। विदित हो कि ओम मिश्रा केन्द्रीय विद्यालय धनपुरी में कक्षा 8 वीं का विद्यार्थी है। वह बीते दिवस विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी तमिलनाडु में आयोजित हुई नेशनल योग ओलंपियाड में शामिल हुआ था। जहां ओम ने योगासन में शानदार प्रदर्शन किया, इनका चयन नेशनल योग ओलंपियाड के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन में हुआ था। यह प्रतियोगिता विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी तमिलनाडु में सम्पन्न हुई । जिसमे ओम ने नेशनल योगासन के ग्रुप इवेंट में स्वर्ण पदक तथा व्यक्तिगत में कांस्य पदक प्राप्त किया।नेशनल योग ओलंपियाड में स्वर्ण पदक आने के कारण प्रधानमंत्री के साथ राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग प्रस्तुति

का अवसर प्राप्त हुआ। इस कारण से उसे आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में सभी योग खिलाडिय़ों को भी आमंत्रित किया गया था, जिसमे वह सम्मिलित हुआ। महज 13 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्पर्धा में सम्मिलित होकर गोल्ड एवं कांस्य पदक प्राप्त करना सिर्फ छात्र के लिए नहीं बल्कि पूरे प्रदेश वासियों के लिए गर्व का विषय है। इनकी इस उपलब्धि पर केन्द्रीय विद्यालय धनपुरी के प्राचार्य योगेश कुमार गुप्ता ,योग एसोशिएसन शहडोल के सभी पदाधिकारियों व योग प्रशिक्षक शिवेंद्र त्रिपाठी समेत परिजनों व ईष्ट मित्रों ने ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए और इनके उज्वल भविष्य की कामना की है। विदित हो कि योग प्रशिक्षक शिवेंद्र त्रिपाठी जो कि वर्तमान में केन्द्रीय विद्यालय शहडोल में सेवारत है ,वह पूर्व में केन्द्रीय विद्यालय धनपुरी में पदस्थ थे। यहां पदस्थापना के दौरान ही ओम ने उनसे योग की बारीकियां सीखी थी, यहां से जाने के बाद भी योग प्रशिक्षक श्री त्रिपाठी का मार्ग दर्शन ओम को मिलता रहा ,जिसके परिणाम स्वरूप ओम मेहनत और लगन के साथ योग की बारीकियां सीखते हुए निरंतर अभ्यास करता रहा और आज राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल से नवाज़ा गया ।

कायस्थ समाज का प्रदर्शनः चित्रगुप्त भगवान के अपमान पर विरोध

शहडोल।

कायस्थ समाज के आराध्य देव श्री चित्रगुप्त भगवान के प्रति कथावाचक प्रदीप मिश्रा द्वारा महाराष्ट्र के बीड़ जिले में की गई अशोभनीय टिप्पणी को लेकर शहडोल में समाज के सदस्यों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस घटना से आहत कायस्थ समाज ने नगर में रैली निकालकर अपने आक्रोश को प्रकट किया और कलेक्टर महोदय के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कथावाचक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। समाज के लोगों का कहना है कि उनके आराध्य देव के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी मांग की कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कानून बनाए जाएं।विरोध प्रदर्शन में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के अध्यक्ष सुनील खरे सहित अन्य प्रमुख सदस्य जैसे कुलदीप निगम, संतोष श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र खरे (गुड्डू), संजीव निगम, ओमकार निगम, देवेश श्रीवास्तव, वल्लभवेन्द सक्सेना, गोपाल निगम, श्री जमुना प्रसाद श्रीवास्तव, दिलीप खरे, राकेश श्रीवास्तव, शैलेश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, गिरीश निगम, संजय श्रीवास्तव, अवकाश निगम, राहुल श्रीवास्तव और राजेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित थे। कायस्थ समाज के गणमान्य सदस्यों ने एकजुट होकर इस मामले में न्याय की मांग की और यह संदेश दिया कि समाज अपने आराध्य देव के सम्मान के लिए हमेशा खड़ा रहेगा। यह प्रदर्शन शांति और सम्मान के साथ संपन्न हुआ, लेकिन समाज ने स्पष्ट किया कि यदि इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे भविष्य में बड़े आंदोलन के लिए भी तैयार हैं।

रिकॉर्ड सुधार संबंधी गलत प्रतिवेदन देने वाला बचैया का पटवारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अनुविभाग बहोरीबंद के पटवारी हल्का नंबर 45 ग्राम बचैया के पटवारी सुबोध साहू को राजस्व रिकॉर्ड में सुधार संबंधी प्रतिवेदन बिना अभिलेखों के परीक्षण और स्थल का मौका मुआयना किये बिना आवेदक बचौया निवासी श्री मारू पिता करोड़ीलाल के संबंध में जानबूझकर गलत प्रतिवेदन देना महंगा पड़ गया। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर मंगलवार को एसडीएम बहोरीबंद राकेश कुमार चौरसिया ने पटवारी श्री साहू के कृत्य को घोर लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता मानते हुए पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

निलंबन अवधि में पटवारी श्री साहू का मुख्यालय तहसील कार्यालय बहोरीबंद नियत किया गया है और निलंबन काल में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

कलेक्टर की विशेष मौजूदगी में गुरूवार 19 जून को ग्राम बचैया में आयोजित लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान यह मामला संज्ञान में आया। जिसमें बचैया निवासी श्री मारू द्वारा बताया गया कि खसरा नंबर 205/1, 893/1, 901/1 कुल रकबा 1.18 हेक्टेयर में दर्ज आवेदक के नाम को सुधार किये जाने का आवेदन दिया गया था। कलेक्टर श्री यादव के निर्देश पर आवेदन के संबंध में जांच किए जाने पर पाया गया कि आवेदक द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व न्यायालय में प्रचलित मामले के संबंध में तत्कालीन हल्का पटवारी सुबोध साहू द्वारा जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। यह जांच प्रतिवेदन पटवारी द्वारा आवेदक से बिना कोई संपर्क किए और आवेदन के संबंध में पटवारी द्वारा कोई दस्तावेज प्राप्त करना एवं मौके पर जांच करना नहीं पाया गया। पटवारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के साथ मौका पंचनामा निर्मित नहीं किया गया।

बिना मौका जांच और आवेदक श्री मारू से दस्तावेज प्राप्त किए पटवारी श्री साहू द्वारा आवेदन में प्रस्तुत दस्तावेजों को नजरअंदाज करते हुए एसडीएम कोर्ट में प्रस्तुत आवेदन को जानबूझकर खारिज कराये जाने की मंशा से गलत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाना पाया गया। जिससे आवेदक को अपने आवेदन में उल्लेखित त्रुटि सुधार योग्य होने के बावजूद दूषित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने से तत्कालीन पीठासीन अधिकारी द्वारा अस्वीकार कर दिया गया।

जिले के सीमावर्ती गांव पचखुरा पहुंचे डीआईजी व पुलिस अधीक्षक

नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, सड़क सुरक्षा सहित विभिन्न अपराधों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। 25 जून को कोतमा जनपद के पचखुरा में जन चौपाल आयोजित की गई, जिसमें शहडोल रेंज की डीआईजी सुश्री सविता सोहनो ने लोगों से संवाद करते हुए कहा कि आपके गांव में आने वाले प्रत्येक बाहरी व्यक्ति की जानकारी थाने में जरूर दें, अपने बेटे बेटियों को पढ़ने एवं आगे बढ़ने के अवसर दें उनकी सतत मॉनिटरिंग करें, वे कैसे लड़कों से दोस्ती करते हैं, कहां जाते हैं, इसकी जानकारी आपको जरूर हो ,जिससे हम अपने बच्चों को नशे जैसे प्रवृत्तियों में लिप्त होने से बचा सके, उपस्थित बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने एवं अपना समय पढ़ाई एवं कैरियर निर्माण में लगाने के लिए प्रेरित किया। बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं वर्तमान समय की एक गंभीर चुनौती है, इसलिए हमें पूरी सतर्कता के साथ वाहन चलाना चाहिए, साथ ही मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट जरूर लगाना चाहिए। उपस्थित मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने परिवार का ध्यान रखते हुए उसे जोड़े रखने का कार्य करें, बच्चों को अच्छे संस्कार दें। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोतिउर रहमान द्वारा उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चियों को आगे बढ़ने का कार्य करें उनको पढ़ाई लिखाई के अवसर के साथ पैरों पर खड़े होने, कैरियर निर्माण में सहायता करें, ताकि पढ़ लिखकर वे नेतृत्व की भूमिका निभाए, ग्राम एवं नगर रक्षा समिति को पुनः एक्टिव किया जा रहा है, जिससे निश्चित ही अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को तत्काल मिलेगी, अपराधों पर नियंत्रण स्थापित होगा। एडीपीओ कोतमा राज गौरव तिवारी ने नए कानून में पीड़ितों के लिया क्या-क्या प्रावधान किए गए हैं, इसकी विस्तृत जानकारी दी। एस डी ओ पी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य द्वारा उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कहा गया कि, महिलाएं आंगन से निकल कर अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी हैं तथा प्रत्येक क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रही है, परंतु आज भी बहुत सी महिलाएं जानकारी के अभाव में घरेलू हिंसा जैसे अत्याचारों से भी जूझ रही है। उनके द्वारा घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 एवं नवीन कानूनो में महिलाओं के हित के लिए निहित प्रावधानों की जानकारी दी। जनपद उपाध्यक्ष श्री अभिषेक सिंह द्वारा संबोधित करते हुए कहा गया कि हमें अपनी युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में जाने से रोकना चाहिए, उन्हें अच्छे संस्कार देना चाहिए। यातायात प्रभारी ज्योति दुबे द्वारा बताया गया कि सड़क सुरक्षा वर्तमान समय का एक विचारणीय प्रश्न है, छोटी सी लापरवाही भी दुर्घटना का कारण बनती हैं, इसलिए पूरी सतर्कता से वाहन चलाएं,तेज गति से वाहन ना चलाएं,शराब के नशे में वाहन ना चलाये, ब्रेकिंग डिस्टेंस जरूर रखें हमेशा राइट साइड से सुरक्षित तरीके से ओवरटेक करें। थाना प्रभारी कोतमा रत्नांबर शुक्ला द्वारा आमजन से अपील की गई की नशीले पदार्थ की तस्करी की जानकारी मिलने पर तत्काल थाने में सूचना दें ताकि ऐसे लोगों पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम का संचालन भूपेश शर्मा द्वारा किया गया, ग्राम कोटवार दिनेश केवट, ग्राम पंचायत एवं कोतमा थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच, जन प्रतिनिधि, पत्रकार बंधु एवं ग्राम के निवासी उपस्थित रहे।

देश के भविष्य के साथ 'सरकारी सिस्टम' कर रहा खिलवाड़

प्रदेश का इकलौता हाई स्कूल जहां न शिक्षक है न भवन

8 साल पहले हुआ था हाई स्कूल में उन्नयन, आज तक नहीं आए एक भी शिक्षक

मामला पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक के गृह क्षेत्र शासकीय हाई स्कूल भालूमाड़ा का

सरकार द्वारा गरीबों को शिक्षा के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं लेकिन क्या वास्तव में गरीबों को सही शिक्षा प्राप्त हो रही है इसकी सच्चाई अगर जानना है तो भालूमाड़ा हाई स्कूल में आकर कोई देख सकता है। इस हाई स्कूल में जो 8 साल पहले माध्यमिक विद्यालय से हाई स्कूल में उन्नयन हुआ था वर्ष 2016-17 में उसके बाद से आज तक इस विद्यालय में एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं हुए इतना ही नहीं इस सरकारी सिस्टम की उदासीनता कहें या अनदेखी, 8 साल बीतने के बाद भी स्कूल में शिक्षकों के पद स्वीकृत नहीं किए गए हैं जिसका बहाना बनाकर जिला प्रशासन शिक्षा विभाग शिक्षक देने में अपने हाथ खड़े कर दे रहा है। यहां के छात्र नाम मात्र के छात्र बन सरकारी आंकड़ों में दर्ज हैं। इन छात्रों का दुर्भाग्य है कि उन्हें पढ़ाने के लिए शिक्षक ही नहीं है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/भालूमाड़ा

विडंबना! मंत्री के गृह ग्राम का भालूमाड़ा हाईस्कूल शिक्षक विहीन

गौर करने वाली बात यह है कि जब 8 साल पहले स्कूल का हाई स्कूल में उन्नयन हो गया और कक्षा 9 और 10 की कक्षाएं संचालित हो गई तो बच्चों का प्रवेश हो गया और पिछले 7 सालों से नौवीं दसवीं के छात्र परीक्षा दे रहे हैं पास होकर दूसरी स्कूलों में जा रहे हैं नए बच्चे प्रवेश ले रहे हैं। अब उनको पढ़ाये कौन और इसमें उन बच्चों की क्या गलती कि जिस स्कूल में वह प्रवेश ले रहे हैं वहां तो शिक्षक ही नहीं है। सोच सकते हैं कि पिछले 7 सालों में जिस स्कूल में शिक्षक नहीं है उस स्कूल के बच्चे कैसे अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे होंगे। क्षेत्र के विधायक, मंत्री, जिला शिक्षा विभाग, जिला अधिकारी से हर नवीन सत्र में स्कूल में शिक्षक के लिए मांग करते चले आ रहे हैं पर मिलता है केवल आश्वासन।

आज तक किसी ने नही किया निरीक्षण

भालूमाडा माध्यमिक स्कूल का उन्नयन भी आसानी से नहीं हुआ उसके लिए भी काफी मशक्कत करना पड़ा था, तब यहां के लोगों को बड़ी खुशी मिली थी कि नगर में एक हाई स्कूल होगा जहां बच्चे अपनी पढ़ाई कर सकेंगे क्योंकि इसके अलावा नगर में केवल चार-पांच निजी स्कूल ही थे जो हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी थे, हाई स्कूल उन्नयन के बाद नगर वासियों को लगा था कि जिस प्रकार से शासन ने हाई स्कूल में उन्नयन किया है उसी तरह यहां शिक्षकों की पदस्थापना, भवन, छात्रों की अन्य सुविधाओं का विस्तार बड़ी आसानी से हो जाएगा, लेकिन जैसे-जैसे साल बीतते गए, तब समझ में आया कि इस स्कूल का केवल कागजों में उन्नयन किया गया है वास्तविकता कोसों दूर है फिर भी स्कूल में शिक्षकों के लिए अनूपपुर विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री बिसाहूलाल सिंह से लेकर जिले में जितने भी कलेक्टर आए और चले गए उन्हें भी स्कूल के बारे में अवगत कराया गया और जब भी उनसे बात की गई सभी ने एक ही बात कही हम दिखवाते हैं जानकारी लेते हैं। इतना ही नहीं अनेकों बार जिले के आला अधिकारियों से अपील भी की गई कि एक बार भालूमाडा हाई स्कूल आकर यहां कभी निरीक्षण कर लीजिए लेकिन आज तक जिले से कोई भी बड़ा अधिकारी स्कूल निरीक्षण के नाम पर भालूमाडा हाई स्कूल नहीं आये। यह बात अलग है कि हर साल स्कूलों का निरीक्षण जिला अधिकारी द्वारा होता है खबरें आती है बड़ी अच्छी व्यवस्था है तो क्या यह माना जाए कि जिन स्कूलों में सब कुछ पहले से अच्छा है सिर्फ उन्ही स्कूलों का ही निरीक्षण होता है।

माध्यमिक शिक्षिका के भरोसे चला 8 साल तक हाई स्कूल

भालूमाडा हाई स्कूल में प्राथमिक माध्यमिक और हाई स्कूल की कक्षाएं संचालित है। प्राथमिक में दो शिक्षक पदस्थ हैं माध्यमिक में केवल एक शिक्षिका पदस्थ थी। वर्ष 2016-17 में जब हाई स्कूल का उन्नयन हुआ तो उन्हें हाई स्कूल का प्रभारी बनाया गया हाई स्कूल का प्रभारी बनने के बाद शिक्षिका के द्वारा अपने स्कूल को अपने छात्रों को अच्छी शिक्षा सुविधा देने का प्रयास किया गया और उन्होंने इन 8 वर्षों में बच्चों के हित के लिए बीआरसी, डीपीसी से लेकर जिला शिक्षा अधिकारी, सीईओ सबके पास पत्राचार करते हुए उनसे मिलते हुए शिक्षकों के लिए शैक्षणिक सुविधाओं के लिए लड़ती रही लेकिन शिक्षक तो नहीं मिले परंतु शासन द्वारा शैक्षणिक सामग्री जरूर प्राप्त हुआ। इस संबंध मे हरिभूमि ने 21 जनवरी 2021 को प्राथमिकता से खबर का प्रकाशन संबंधित जिम्मेदारों का ध्यान आकृष्ट कराया था तब उनके द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया था, लेकिन सिर्फ जुमला निकला।

बिना शिक्षक बच्चों ने राजधानी तक किया स्कूल का नाम रोशन

उस पर शिक्षिका ने प्रारंभ के एक-दो साल तक बच्चों को गणित, अंग्रेजी, भौतिक रसायन के लिए अपने पैसे से बाहर के शिक्षकों को नियुक्त करके बच्चों को पढ़ाया और उसके बाद माध्यमिक के लिए कुछ अतिथि शिक्षक दिए गए जिनके दम पर उन शिक्षकों ने माध्यमिक के साथ-साथ हाई स्कूल के बच्चों को भी पढ़ाया। शिक्षिका का तेज तर्रार रवैया अनुशासन के प्रति कड़क और बच्चों के हित का नतीजा रहा कि 2020-21 के बाद से हाई स्कूल का रिजल्ट अन्य स्कूलों की अपेक्षा बेहतर आया और विज्ञान के मॉडल में विद्यालय के छात्रों ने राजधानी तक स्कूल का नाम रोशन किया था। इस स्कूल से जो छात्राएं 10वीं पास करके गई है उनमें से कई छात्राएं बड़े कॉलेज में अपनी पढ़ाई कर रही है लेकिन अब समस्या इस बात की है की कि शिक्षिका अभी तक बच्चों के लिए सब कुछ कर रही थी, वह 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो चुकी है और उसके बाद से जून समाप्ति होने को आया है, स्कूल में कोई भी प्रभारी शिक्षक नहीं आ पाया है। जिस प्रकार से जिला प्रशासन शासन का रवैया है उससे तो नहीं लगता कि इस स्कूल में शिक्षक आएंगे और पढ़ाएंगे। अब तो ऐसा लग रहा है कि ना स्कूल में शिक्षक आएंगे ना पढ़ाई होगी और ना बच्चे आगे आएंगे और स्कूल बंद हो जाएगा। शायद शासन प्रशासन भी यही सोच होगी कि नगर में एकमात्र शासकीय हाई स्कूल बंद हो जाए जिससे नगर के अन्य निजी स्कूलों को कमाने का अवसर मिल जाए।

कैसे पूरा होगा स्कूल चले हम अभियान

1 जुलाई से सरकारी स्कूलों में स्कूल चले अभियान प्रारंभ हो जाएगा जगह-जगह अभियान को लेकर कार्यक्रम होंगे। बच्चों के हित के लिए, उनकी पढ़ाई के लिए शिक्षा के लिए बड़ी-बड़ी बातें होंगी उसमें नेता, जनप्रतिनिधि सभी शामिल होंगे लेकिन क्या भालूमाडा स्कूल में स्कूल चले हम अभियान पूरा हो पाएगा। वर्तमान स्थिति को देखा जाए तो यहां पर अभी मात्र दो प्राथमिक शिक्षक हैं जिन्हें प्राथमिक के बच्चों को भी देखना है साथ ही माध्यमिक के बच्चों के अलावा हाई स्कूल के बच्चों को भी देखना है। जो हाई स्कूल के बच्चे 10वीं पास कर चुके हैं उनको टीसी भी देना है एक से लेकर 10 तक नए छात्राओं को प्रवेश भी कराना है। शासन की योजनाओं की जानकारी भी देना है, शासन द्वारा निर्धारित ट्रेनिंग में हिस्सा भी लेना है यह सब कैसे होगा। कलेक्टर से क्षेत्रवासियों ने अपेक्षा की है कि प्राथमिक, माध्यमिक के साथ ही हाईस्कूल के बच्चों के भविष्य के लिए शीघ्र स्कूल का दौरा कर शिक्षकों की पूर्ति के अलावा आवश्यक प्रबंध करायेंगे।

कलेक्टर के अथक प्रयास से रेलवे सड़क का हो रहा उद्धार

आम जनता ने कलेक्टर व रेल प्रशासन का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शहर के बहुप्रतीक्षित सडक जिसकी वर्षों से अनूपपुर के जनप्रतिनिधि, स्थानीय जनता मांग करती रही जिसे कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अपने संज्ञान मे लेते हुये प्रयास को सफल किया। जानकारी के मुताबिक अनूपपुर स्टेशन चौक से चचाई जाने वाली सडक जो रेलवे के हिस्से मे थी जिसमे सालों से आने जाने मे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पडता था। जिसे अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने रेलवे को पत्र लिखकर उक्त सडक का जीर्णोद्धार कराने के लिए कहा था जिस पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सहयोग से उक्त सडक का निर्माण की शुरूआत हो चुकी है। जो एक सप्ताह के अंदर बनकर पूर्ण हो जायेगी। अनूपपुर की जनता ने कलेक्टर हर्षल पंचोली व रेल प्रशासन को बहुप्रतीक्षित मांग पर ध्यान देने पर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

संकल्प महाविद्यालय के BBA कोर्स को मिली AICTE से मान्यता

अब अनूपपुर में मिलेगा राष्ट्रीय स्तर का प्रबंधन शिक्षा अनुभव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

संकल्प ग्रुप ऑफ कॉलेज, अनूपपुर को शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। महाविद्यालय के व्यावसायिक पाठ्यक्रम **BBA** को **AICTE** से मान्यता प्राप्त हो गई है। यह मान्यता न केवल संस्थान के लिए गौरव का विषय है, बल्कि क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए भी यह एक सुनहरा अवसर है। **AICTE** भारत सरकार की एक प्रमुख संस्था है जो तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मान्यता प्रदान करती है। किसी भी कोर्स को **AICTE** की मान्यता मिलना उस कोर्स की शैक्षणिक गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की आधुनिकता और शिक्षण संसाधनों की मान्यता का संकेत होता है। संकल्प महाविद्यालय को यह

मान्यता मिलना संस्था की गुणवत्ता, अनुशासन, अनुभवी संकाय और छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।

BBA कोर्स आज के समय में एक अत्यंत उपयोगी और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को प्रबंधन, व्यापार रणनीति, विपणन, वित्त, मानव संसाधन, उद्यमिता जैसे विषयों में मजबूत नींव प्रदान करता है। AICTE की मान्यता के पश्चात अब इस कोर्स में प्रवेश लेने वाले छात्रों को एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री प्राप्त होगी, जिससे उन्हें आगे उच्च शिक्षा या करियर के रास्ते में कोई बाधा नहीं आएगी। इस उपलब्धि पर संकल्प ग्रुप के संचालक अंकित शुक्ला ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, AICTE से मान्यता प्राप्त करना हमारे लिए गर्व की बात है। यह हमारे संस्थान द्वारा दी जा रही गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का प्रमाण है। हम भविष्य में और भी अधिक बेहतर शिक्षा सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य है कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उनके जिले में ही प्राप्त हो सके। संकल्प महाविद्यालय वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। यहां आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। BBA कोर्स के लिए उच्च योग्यता प्राप्त फैकल्टी, स्मार्ट क्लासरूम, इंडस्ट्रियल विज़िट, इंटर्नशिप प्रोग्राम और करियर गाइडेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। AICTE मान्यता प्राप्त BBA कोर्स में इस शैक्षणिक सत्र से प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। यह अवसर उनके लिए व्यवसाय, प्रबंधन और कॉर्पोरेट क्षेत्र में करियर बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार साबित हो सकता है।

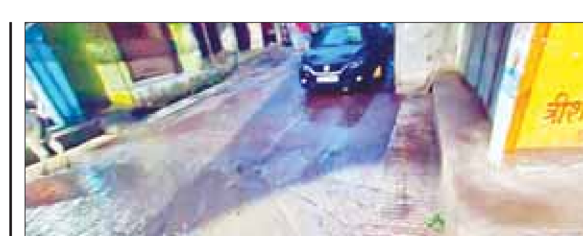

नर्मदा मंदिर के मुख्य गेट के पास बजबजा रही नाली, लगा गंदगी का अंबार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

धार्मिक नगरी अमरकंटक में प्रशासन के लापरवाही के कारण तीर्थ यात्रियों दर्शनार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को भारी गंदगी के बीच नर्मदा मंदिर दर्शन करने जाना पड़ रहा है वार्ड क्रमांक 14 एवं वार्ड क्रमांक 9 के मध्य मुख्य मार्ग जिस पर नर्मदा मंदिर का प्रथम प्रवेश द्वार बना हुआ है जो की काफी भव्य और अलौकिक है परंतु उसके दोनों तरफ नाली है जिससे बारिश का और सीवरेज का पानी गटर के माध्यम से आगे बढ़ता है परंतु विगत कुछ दिनों से वह दोनों तरफ से नलियां बजबजा रही है। नाली का कचरा मानव मल सभी कुछ नर्मदा मंदिर के प्रवेश द्वार पर आकर इकट्ठा हो जा रहा है जिससे आए हुए श्रद्धालुओं के श्रद्धा पर ठेस पहुंच रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार है यहां से आना-जाना दूभर हो गया है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं तीर्थ यात्रियों स्थानीय नागरिकों को गंदगी के बीच से आना जाना पड़ता है जो की चिंतनीय और निंदनीय विषय है। प्रशासन को जल्द से जल्द त्वरित कार्रवाई करते हुए नालियों की साफ सफाई करना चाहिए जिससे बाहर से आने वाले यात्रियों, श्रद्धालुओं की आस्था पर ठेस न पहुंचे।

खाने की तलाश में प्रतिदिन घरों को तोड़ रहे हाथी

10 दिनों से पहुंचा रहे नुकसान, जिला प्रशासन बना मूकदर्शक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विगत 10 दिनों से राजेंद्रग्राम इलाके में घूम रहे चार हाथियों का समूह खाने की तलाश को लेकर प्रत्येक रात के समय कई-कई घरों मे तोड़फोड़ कर निशाना बना रहे हैं जिससे ग्रामीण जन अत्यंत परेशान है वहीं जिला स्तर एवं प्रदेश स्तर पर निरंतर विचरण कर रहे हैं हाथियों को जिले से बाहर किए जाने की किसी भी तरह की योजना अब तक तैयार नहीं हो सकी है। दसवें दिन चारों हाथियों का समूह वन परिक्षेत्र राजेंद्रग्राम एवं थाना करनपठार के तुलरा बीट में स्थित राजस्व के जंगल में दिन में ठहरे हुए हैं। विदित है कि 14 जून की रात एक बार फिर से चार हाथियों का समूह छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके की सीमा को पार करते हुए मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी एवं अनूपपुर तहसील क्षेत्र में विचरण करते हुए 17 जून की रात राजेंद्रग्राम इलाके में पहुंचकर निरंतर वितरण कर रहे हैं हाथियों का समूह मंगलवार को करनपठार बीट के क्योटार गांव से लगे जंगल में दिन में ठहरने बाद रात होने पर क्योंटार गांव के कोल्लिहाटोला निवासी भूखा सिंह, शिवचरण, रामचरन, कुंदन सिंह एवं सुंदर सिंह के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रख विभिन्न तरह के अनाजों को खाने हुए बुधवार को करनपठार बीट के बघाड़ी एवं तुलरा के बीच विश्राम करने बाद देर रात होने पर क्योटार, पिपरिया, कुसेरा, अतरिया, बहेराटोला से करनपठार के बेलाटोला में रात को ओमप्रकाश सिंह, रोहन सिंह, अजय सिंह, सन्तोष सिंह, जय सिंह, रामलाल सिंह, लमिया सिंह एवं चरनलाल सिंह सहित आठ ग्रामीणों के कच्चे मकान में तोड़फोड़ कर अंदर रख विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाया है। इस बीच अचानक हाथियों के गांव एवं टोला, मोहल्ला में घुस आने पर ग्रामीण जन अपने परिवारों को लेकर इधर-उधर भाग कर, पक्के मकानो में ठहर कर, रात रात में जाग कर अपनी जान बचा रहे हैं। हाथियों का समूह गुरुवार के दिन बेलाटोला, श्यामदुआरी से तुलरा बीट से लगे दुआहीघाट गांव के राजस्व के जंगल में पहुंचकर दिन में विश्राम कर रहे हैं। हाथियों के निरंतर विचरण पर वनविभाग का गस्ती दल ग्रामीणों को सचेत एवं सतर्क करते हुए हाथियों पर निगरानी रखा हुआ है लेकिन अब तक हाथियों को जिले से बाहर किए जाने की जिला एवं प्रदेश स्तर पर किसी भी तरह का ठोस निर्णय ना लिए जाने से ग्रामीण परेशान तथा भयभीत है ग्रामीणों ने जिले के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से जल्द ही ठोस उपाय किए जाने की अपील की है।

जनपद का अफसरशाही तंत्र बना खामोशी का सौदागर

ग्राम पंचायत सकोला में विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का महोत्सव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले की जनपद पंचायत अनूपपुर के अधीन ग्राम पंचायत सकोला में एक ऐसा प्रकरण सामने आया है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया है कि जब योजनाओं की कमान लापरवाह और बेपरवाह अफसरों के हाथों में होती है, तब विकास की जगह धोखा और जवाबदेही की जगह घोटाले फलते-फूलते हैं। वर्ष 2022 में सकोला पंचायत में जल पुनर्भरण के नाम पर चेक डैम निर्माण की योजना पास की गई। योजना की तकनीकी स्वीकृति दी गई, 10 लाख की राशि 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड से जारी की गई, और कुछ ही समय में 2,65,000 की राशि वाउचर के ज़रिए निकाल भी ली गई। लेकिन अगर आप सकोला की ज़मीन पर कदम रखें, तो आपको न कोई डैम मिलेगा, न कोई निर्माण का चिन्ह। वहाँ सिर्फ़ मिलेगा एक अदृश्य डैम, जो अफसरों की आंखों की तरह अदृश्य है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि यह 2,65,000 की निकासी किसी निर्माण कार्य पर नहीं, बल्कि शुद्ध रूप से फर्जीवाड़े के तहत निजी खर्चों में उड़ा दी गई प्रतीत होती है। जब ज़मीन पर काम ही नहीं हुआ, तो यह रकम आखिर कहाँ गई। क्या यह पैसा किसी इमर्जेंसी राहत में गया था या फिर किसी अफसर के घर की सजावट में। साफ है यह निकाशी काग़ज़ों में योजना और ज़मीनी हकीकत में जेबें गर्म करने का खेल था। इस पूरे मामले में जिन दो नामों पर उंगली उठ रही है, वे कोई और नहीं बल्कि सकोला पंचायत के वही पूर्व प्रभारी सचिव हैं, जो आज रोजगार सहायक के पद पर आसीन हैं। यानी जिन्होंने पहले योजना को स्वीकृति दिलवाई, अब वही उसके क्रियान्वयन की 'रोजगार गारंटी' बनकर बैठे हैं। यह कोई इत्तेफ़ाक नहीं यह पूरी तरह से सुनियोजित सांठगांठ है, जिसमें एक ही व्यक्ति अलग-अलग पदों से सिस्टम का शोषण करता रहा है। और अफसोस की बात यह है कि जनपद और जिला स्तर के अफसर अब भी उन्हें संरक्षण देने में लगे हैं। यह घोटाला यूँ ही नहीं हो गया। इसके पीछे एक बेजान और पूरी तरह से अनुत्तरदायी प्रशासन की भूमिका है और उस व्यवस्था के केंद्र में बैठते हैं जनपद पंचायत अनूपपुर के सीईओ और एसडीओ, जो कुर्सी पर ऐसे जमे हैं जैसे किसी पुरस्कार में मिले हों। विकास कार्यों पर निगरानी रखने, योजनाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने और गड़बड़ियों पर तुरंत कार्रवाई करने की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर होनी चाहिए थी, वे अफसर आज "मौन साधना में लीन हैं। क्या सीईओ जनपद पंचायत अनूपपुर का काम केवल वेतन लेना, वातानुकूलित कक्ष में बैठकर फाइलों पर दस्तखत करना और कैमरों के सामने खानापूर्ति कर मुस्कुराना भर है। क्या एसडीओ का पद महज़ एक शाही तमगा है, जिसे धारण कर फील्ड से आँखें मूँद लेना ही 'कर्तव्य पालन' है। जब योजना का निर्माण हुआ ही नहीं, तो भुगतान की अनुमति कैसे दी गई। फर्जी माप पुस्तिका किसके आदेश से भरी गई। निकासी किसके निर्देश पर हुई। और अगर इन सवालों का जवाब नहीं है, तो फिर इन पदाधिकारियों का पद पर बने रहना एक तरह का प्रशासनिक अपराध है। सवाल यह भी है कि जब मीडिया में, जनचर्चाओं में और पंचायत स्तर पर यह मामला उजागर हो चुका है, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। क्यों नहीं उन कर्मचारियों और अधिकारियों पर निलंबन की तलवार चली। क्या सीईओ और एसडीओ इस पूरे मामले को ढँकने की कोशिश में लगे हैं। या फिर वो इस लूट की श्रृंखला के मूक साझेदार हैं। कुर्सियों पर बैठना कोई सजावट नहीं होती, वह ज़िम्मेदारी का प्रतीक होती है। लेकिन जब कुर्सियाँ निकम्मों से भर जाएं, तो वो लोकतंत्र नहीं, लापरवाही का लोकतंत्र बन जाता है। अनूपपुर का प्रशासन आज उसी दलदल में धँसता दिख रहा है, जहाँ अफसरों की खामोशी भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी ताक़त बन चुकी है। जनता अब यह नहीं पूछ रही कि निर्माण क्यों नहीं हुआ अब वह यह पूछ रही है कि इन अफसरों को कुर्सी पर क्यों बैठा रखा है। जब सकोला पंचायत की ज़मीन पर एक ईंट भी नहीं लगी, तो इन अफसरों की कुर्सियों पर टिके रहने की क्या वैधानिकता बचती है। क्या ये पदाधिकारियों का कार्यालय है, या किसी मूकदर्शक सभा का मंच। अब समय आ गया है कि इन अफसरों से कुर्सी छीनी जाए, जवाब माँगा जाए, और घोटालों पर पर्दा डालने वालों को खुद ही पर्दे से बाहर कर दिया जाए।